

# असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—कण्ड 3—उप-कण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 317

नई विस्ली, बुग्नवार, सितम्बर 23, 1981/आस्विन 1, 1903 NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 23, 1981/ASVINA 1, 1903

इस भाग में भिरम पृष्ठ संख्या भी जाती हैं जिससे कि पह असग संकलन के रूप में राज जा सके Separate puging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complication

## वित्त मंद्रालय

# (राजस्य विभाग)

नर्द दिल्ली, 23 मितम्बर, 1981

मा० का० लि० 525 (का).—केन्द्रीय सरकार, वेन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भीर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 का भीर संशोधन करने के लिए निम्मलिक्टिन नियम बनाते हैं, धर्मात्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद (20 वां संगोधन) नियम. 1981 है।
  - (2) ये राजपक्ष में प्रकाणन की मारीख की प्रवृक्त होंगे।
- 2 केन्द्रीय उत्पाद णुरूक नियम, 19.14 कें नियम 13 के उप-नियम (1) में "प्रशिनियम की पहली धनुसूची की मद सं 3 (उप मद (2) के अन्तर्गत आने वाले चाय पैकेओं को छोडकर, जो मून्क सदल खुली चाय में बने हुए हैं) 5, 12 और 26 कक ने अन्तर्गत आने बाले माल से फिन्न", शब्दों अकों और कोप्टकों के स्थान पर "प्रशिनियम की पहली अनुसूची की मद सं 5, 12, और 26 कक के प्रन्तर्गत याने बाले साल से फिन्न" अकर, एक्ट और अंक रखे आएंगे।

[क्षिप्रिस्चना सं० 164/81-कें० उ० ग्/फा० मं० 65/5/81कें० उ० गु०2]

### MINISTRY OF FINANCE

# (Department of Revenue)

New Delhi, the 23rd September, 1981

- G.S.R. 525(E). In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—
- 1 (1) These rules may be called the Central Excise (20th Amendment) Rules, 1981.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

In sub-rule (1) of rule 13 of the Central Excise Rules. 1944, for the words, letters, figures and brackets "Goods other than those falling under item No. 3 (except package tea folling under sub-item (2), thereof made from duty paid loose tea), 5. 12 and 26AA of the First Schedule to the Act", the words letters and figures "Goods other than those falling under item Nos. 5, 12 and 26AA of the First Schedule to the Act" shall be substituted.

[Notification No. 164|81-C.E.|F. No. 65'5|81-CX 2]

सा० का० नि० 526 (अ).---केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय जल्पाव-शृहक नियम, 1944 के नियम 12 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्त्र विभाग) की स्रधिसूचना सं• 197/62-केन्द्रीय उत्पात-शुरुक, तारीक्ष 17 नवम्बर, 1962 किन्निस्त-लिखिन और संगोधन करती है, प्रचीत्:—

उनत प्रक्षिसूचना से उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ 8 भौर उससे संबंधित प्रिविष्टियों के पश्चात् किन्तु स्पष्टीकरण से पहले निम्नलिखित ग्रंतस्था-पित किया आग्रुगा, श्रथीन् :----

(1)	(2)	(3)	(	(4)	(	5)
"8क चाय	(संमिश्र चाय ग्री	र पैकेज—ग्रयोक्त	- संपूर्ण	परन्तु	 पह	শহ
	चाय को छोड़क	र)		সল ট	ऐसी	चाय
				सीधे 🔻	गाय :	बागो
				में नि	यनि	की

[अधिस्चमा सं॰ 165/81-के॰ उ॰ गु॰ /फा॰ सं॰ 65/5/81-के॰उ॰ 2]

जाती है।"

G.S.R. 526 (E).—In exercise of the powers conferred by rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 197/62-Central Excises, dated the 17th November, 1962, namely:—

In the Table annexed to the said notification, after S.No. 8, and the entries relating thereto, but before the Explanation, the following shall be inserted, namely:—

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
"9 Tea (excepting blended tea and package tea)	Do	The whole	Provided that such tea is exported directly from the tea gardens."

[Notification No. 165/81-C.E./F. No. 65/5/81-CX. 2]

सा० का० ति० 527(अ).--केन्द्रीय गरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 क के उपनियम (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निवेश देती हैं कि केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क और तमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली धनुसूची की मद 3 के अन्तर्गंत माने वाली सीर उस मिथित पाय के जो भारत के बाहर निर्यात होती है, विनिर्माण में प्रयोग की गई चाय (जिसे इसमें सुंसके पण्यास् माल कहा गया है) की बातन प्रति किलोग्राम वालीम पैसे की दर पर रिबेट अनुसात की जाएगी:

परम्तु यह तब जब:

- (1) माल निर्यातकर्त्ता द्वारा इस मिश्रिस्वना के परिशिष्ट में स्रिश्न-कथिस प्रक्रिया के अनुसार निर्यान किया जाता है;
- (2) निर्यात के समय माल का मूल्य केन्द्रीय उत्पाद शुक्क कलकटर की राय में, श्राबा किए गए उत्पाद शुक्क की स्थिट की उक्तम से कम नहीं है;
- (3) अनुशोध उत्पाद शृक्त की रिबेट की रकम पीच उपए से कम मधीं है;
- (4) निर्यातकर्ता संवाय की लारीज से छह मास से भीतर की गई मांग पर, भूल से उमें संदक्त किसी रिबेट का उत्पाद मुल्क कलक्टर की प्रतिदाय करने का वचनबंध करता है।

# परिशिष्ट

 ऐसे माल का नियतिकक्षा निर्यात के लिए रिजस्ट्रीकरण के लिए प्रारूप "क" में उस केन्द्रीय उत्पाद- गृल्क कलक्टर को िसकी प्रिधिकारिया के भीतर बह प्रपत्ता कारबार चलाता है, भावेदन करेगा।

- 2. निर्यातकर्ता, इसी तरह प्रत्येक वर्ष की जनवरी भास में प्राक्य "क" में किए गए प्रावेदन पर, प्रथना रिजस्ट्रीकरण भवीश्वत कराएगा।
  - उत्पाद शुस्क में रिवेट:----
- (क) .सुम्बई, मद्रास, कलकत्ता, कोचीन, काकीनाडा, विशासा-पतनम, जामनगर, संगलीर, भावनगर, वेरावास, पोरबंदर, त्रीकीरिन, कांडला और कुड्वालोर के प्रभाने से होकर निर्माणित माल की बाबत, केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क के समुद्रीय कलक्टर द्वारा,
- (ख) किसी प्रत्य पत्तन ते होकर या भूमि द्वारा निर्यातित माल की बावन, उस केन्द्रीय उत्पाद णुरूक कलक्टर द्वारा जिसके यहां निर्यातकर्त्ता रिजस्ट्रीकृत है, प्रमुकात किया जाएगा।
- 4. निर्मातकर्ता प्रारूप ख में, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क और नमक अधि-नियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11 ख में विनिर्दिष्ट अविधि के अवसान के पूर्व, सीमागृत्क प्राधिकारियों द्वारा इस आशय के, सम्यक रूप से अनुप्रमाणित बहुन पत्न या पोत परिवहन पत्न, कि माल बस्तुतः निर्मात कर दिया गया है, के साथ सीमागृत्क कलक्टर को आवेदन प्रस्तुत करेगा।

# प्राक्तम "क" (परिणिष्ट का पैरा 1 देखिए)

केन्द्रीय उत्पाद- भुल्क नियम, 1944 के नियम 12 क के <mark>प्रधीन मिश्रित</mark> चाय के लिए रिवेट के लिए दावाधीन निर्यात के लिए रिजस्ट्रीकरण/ रिजस्टीकरण के नवीकरण के लिए धावेदन

(जो भक्तर क्रीर मध्य लागून हों, उन्हें काट वें ) सेवा में,

केन्द्रीय उत्पाव शुल्क कलन्टर

महोदय,

- मैं /हम संलग्न ग्रनुसूचों के प्रनुसार निर्यात की जाने वाली मिश्रित काय की प्राक्किलिस माला के क्यौरे आदि प्रस्तुत करता हूं / करते हैं।
- 3. मैं /हम णुल्क के रिवेट के लिए दावाधीन माल की बाबत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के उपवन्धों का पालन करने के लिए सहसत हं / हैं।
- 4. मैं / हम घोषणा करता हूं / करते हैं कि मेरे / हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वाम के भनुसार इसमें दी गई सूचना सही और पूर्ण है।

सिर्यातकर्ता (कत्तिघों) के हस्ताक्षर पूरा पता तारीख

## यनुसूची

(प्ररूप क का पैरा 2 देखिए)

1 उस मिश्रित नाय की माला, जो ———— वर्ष के बौराक निर्मात किए जाने के लिए प्राप्किनिन है।

- मिर्मानकर्ता द्वारा घृत केन्द्रीय उत्पाद शुरक भनुकान्ति की यदि कोई है, विशिष्टियां
- अबि निर्वातकर्त्ता कोई फर्म है तो उसके भागीवारों के नाम भीर यवि वह कोई कंपनी है तो उसके निवेशकों के नाम
- वह कारबार जिसमें निर्यातकर्त्ता लगा है।
- 5. निर्यातकर्ता की विसीय भवस्थिति

#### भारणी

	मास का वर्णन	का वर्णन भीर	गैक किए गए माल काप्रति प भार	
		माकार	सकल	मुद
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
स्थान —		 नि	यातकर्ता (कर्ताघों)	के हस्ताक्षर

#### प्राकृप ख

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 12क के घंघीन शुल्क के रिबेट के जिए दावाधीन माल के निर्यात के लिए घावेदन सेवा में

केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क कलक्टर

महोखय,

तारीया ----

सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित एक प्रति इसके साथ संलग्न है। अनुरोध है कि मुझे / हमें अनुष्ठेय सीमा तक शृहक का रिकेट दिया जाए :---

- (i) केम्द्रीय उत्पाद शुल्क रजिस्द्रीकरण से -
- (ii) निर्मातित माल की विशिष्टियां ---
  - (क) माल का पूर्ण वर्णन
  - (ख) माला सकल/ शुद्ध
- (ग) मुल्य
- (iii) बहुन पत्र/पोत परिवहन पक्ष का संख्यांक भौर तारीख
- (4) दावा किए गए रिबेट की रकम

 $\frac{1}{4}$ हम यह प्रमाणित करता हूं/ करते हैं कि पूर्वोक्त विशिष्टियां सही हैं और  $\frac{1}{4}$ हम उस पर शोध्य उत्पाद-शुल्क के रिबेट के ठीक प्रधिकारपूर्ण दावादार दावेदार हूं/ हैं।

में/हम संवाय की नारीख से छह मास के भीतर मांग किए जाने पर, मुझे/हमें भूल से संदत्त की गई किसी रिवेट का प्रतिदाय करने का बचनबंध करता हूं / करते हैं।

मैं/हम घोषणा करता हूं / करते हैं कि इस घाषेदम के घरतार्थेत ग्रामें बाले साल के विभिर्माण में प्रयुक्त उत्पाद- गुल्क्य सामधी की कावत कुल्कों की रिकेट के लिए कोई पूर्वक वावा महीं किया गया है और न सीमाणुस्क और केट्टीय उत्पाद शुक्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 के प्रधीन किया जाएगा और उकत माल के विनिर्माण में प्रयुक्त उत्पाद-शुक्कय सामग्री पर शुक्क का संवाय कर विमा गया है।

तासीख	
तासस्य	

**वाबेदा**र (रों) का/के हुम्लाक्षर

श्रीर उसका/उमका पूरा पता/पूरे पते

प्रतिवाय भादेश सं० ----

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर

[म्रिधिसूचना सं० 166/81-केंग् उ०गु० |फा॰ सं० 65/5/81 केंग् अगु०2] श्री मेहता, मनर सम्बद

G.S.R. 527(E)—In exercise of the powers conferred by subrule (2) of rule 12A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that a rebate of duty of excise at the rate of forty paise per kilogram shall be allowed in respect of tea (hereinafter referred to as the goods) falling under Item No. 3 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and used in the manufacture of blended tea which is exported out of India;

### Provided that :--

- (1) the goods are exported by the exporter in accordance with the procedure set out in the Appendix to this notification:
- (2) the value of the goods at the time of exportation is, in the opinion of the Collector of Central Excise. not less than the amount of the rebate of excise duty claimed;
- the amount of rebate of excise duty admissible is not less than five rupees;
- (4) the exporter undertakes to refund to the Collector of Central Excise, on demand being made within six months of the date of payment, any rebate erroneously paid to him.

### APPENDIX

- 1. The exporter of such goods shall apply in Form A for registration for export to the Collector of Central Excise within whose jurisdiction he carries on his business.
- 2. The exporter shall similarly  $gc_t$  the registration renewed in the month of January every year on an application being made in Form A.
- 3. Rebate of excise duty shall be allowed in respect of the goods exported—
  - (a) through the ports of Bombay, Madras, Calcutta, Cochin, Kakinada, Visakhapatnam, Jamnagar, Mangalore, Bhavnagar, Veraval, Porbander, Tuticorin, Kandla and Cuddalore by the respective Maritime Collector of Central Excise.
  - (b) through any other port or by land, by the Collector of Central Excise with whom the exporter is registered.
- 4. The exporter shall present an application in Form B, to the Collector of Central Excise before the expiry of the

period specified in section 11-B of the Central Exrisos and Salt Act, 1944, (1 of 1944), together with the Bill of Lading or Shipping Bill duly certified by the Customs authorities to the effect that the goods have in fact been exporter

## FORM 'A'

# (See para 1 of Appendix)

APPLICATION FOR REGISTRATION/RENEWAL OF REGISTRATION FOR EXPORT, UNDER CLAIM FOR REBATF FOR BLENDED TEA UNDER RULE 12-A OF THE CENTRAL EXCISE RULES 1944

(Delete the letters and words not applicable)

Τo

The Collector of Central Excise,

Sir,

1/We—residing at—taluk District
request that I/We desire to register/
renew our registration to export—(blended
tea) under claim for rebate of duty for the year—

- 2. I/We submit the details of the estimated quantity of blended tea to be exported, etc., as per schedule attached.
- 3. 1/We agree to abide by the provisions of the Central Excise Rules, 1944, in respect of the goods under claim, for rebate of duty.
- 4. I'We declare that to the best of mylour nowledge and belief the information furnished herein is true and complete.

Signature(s) of Exporter(s)
Full address
Date

# SCHEDULE

(See para 2 of Form A)

- 1. Quantity of blended tea which is estimated to be exported during the year.....
- Particulars of Central Excise licence, if any, held by the exporter.
- 3. If the exporter is a firm, the names of the partners, and if it a company the names of the directors.
- 4. Business activities in which the exporter is engaged.
- 5. Financial standing of the exporter.

### TABLE

S.No. Description the goods		of Description and size of packing used	-	
		used	Gross	Net
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(1)	(2)	(3)	(4)	
1-7				

FORM 'B'

Application for export of goods under claim for rebate of duty under rule 12-A of the Central Excise Rules, 1944

To

The Collector of Central Excise,

Sir,

- (i) Central Excise Registration No.
- (ii) Particulars of the goods exported-
  - (a) Full description of the goods,
    - (b) Quantity—Gross Nett.
  - (c) Value.
- (iii) No. and date of the Bill of Lading/Shipping Bill.
- (iv) Amount of rebate claimed,

If We certify that the aloresaid particulars are correct and If We amfare the registful claimant(s) to the rebate of excise duty due thereon which may be allowed in my/our favour.

I/We undertake to refund, on demand being made, within six months of the date of payment any rebate erroneously paid to me/us.

l/We declare that no separate claim for rebate of dutter in respect of excisable materials used in the manufacture of the goods covered by this application has been or will be made under the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, and that the duty has been paid on the excisable materials used in the manufacture of said goods.

Date≟	

Signature and full address of the claimant(s)

Refund Order No
Date,
The claim of Shri/Messrs——————————————————————————————————

Collector of Central Excise-

[Notification No. 166]81-C.E.|F. No. 65!5|81-CX 21

D. MEHTA, Under Secy.